†**श्री जवाहरलाल नेहरू** : यह अपनी अपनी राय का मामला है। हमें क्या शक है इसके बारे में हम कुछ नहीं कह सकते, किन्तु यह सच है कि चीन और भारत की सरकारों के बीच और पाकिस्तान और भारत के बीच खिंचाव है।

चीनी व्यापार अभिकरण से एक भारतीय पुलिस सिपाही पर गोली चलाये जाने के बारे में वक्तव्य

†**प्रधान मंत्री तथा वैदेशिक कार्य मंत्री तथा अणुशक्ति मंत्री (श्री जवाहरलाल नेहरू)** : श्री हेम बरुआ ने जो मामला कल उठाया था कालिम्पोंग में गोली चलने के बारे में, मैं इसके बारे मे कुछ कहना चाहता हूं। अब मालूम हुआ कि पहले कोई अग्नेयास्त्र प्रयोग नहीं किये गये थे किन्तु एयरगन प्रयोग की गई थी। ऐसा मालूम होता है कि कालिम्पोंग स्थित चीनी व्यापार अभिकरण के सदस्य अपने अहाते में पुलिस के मुख्य कार्यालय की दिशा में एयर राइफलें चलाया करते थे जिसका उद्देश्य संभवतः उनको डराना रहा हो--भूतकाल एयरगनों के छर्रे किसी व्यक्ति को नहीं लगे और हवा में जाकर नीचे गिर पड़े। परन्तु २२ मार्च को जब वैसा किया गया तो एक छर्रा एक पुलिस के सिपाही की जांघ में लगा और उरूको हलका सा घाव आया। ३० मार्च, १९६२ को कालिम्पोंग के उपविभागीय अधिकारी ने इस घटना के सम्बन्ध में चीनी व्यापार अभिकर्ता को विरोध पत्र भेजा। २ मई को चीनी व्यापार अभिकर्ता ने अपने उत्तर में उस आरोप को निराधार बता कर बात खत्म कर दी। हमने कालिम्पोंग के उस अधिकारी से कहा है कि वह चीनी व्यापार अभिकर्ता को यह सूचित करे कि उसका उत्तर संतोषजनक नहीं है और यदि भविष्य में उसके अहाते से गोली चलाई गई, तो वह उसके लिए व्यक्तिगत तौर से जिम्मेदार होगा।

†**श्री त्यागी** (देहरादून) : औचित्य प्रश्न के हेतु, श्रीमान्, अविलम्बनीय महत्व के विषयों की ओर ध्यान दिलाने की सूचनाओं के सम्बन्ध में अनेक प्रश्न पूछे जाने से बहुत समय लग जाता है। मेरे विचार में इनकी संख्या निश्चित कर देनी चाहिए।

अध्यक्ष महोदय : मैं विचार करूंगा।

सभा पटल पर रखे गये पत्र

लेखा परीक्षा प्रतिवेदन, डाक तथा तार १९६२ और विनियोग लेख, १९६०-६१

†**वित्त मंत्री (श्री मोरारजी देसाई)**: मैं निम्न पत्रों की एक एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं :

(१) संविधान के अनुच्छेद १५१(१) के अन्तर्गत लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन, डाक तथा तार, १९६२ **[पुस्तकालय में रखी गई देखिये संख्या एल० टी० ९७/६२]**

(२) विनियोग लेख, डाक तथा तार १९६०-६१ **[पुस्तकालय में रखी गई देखिये संख्या एल० टी० ९८/६२]**

---

†मूल अंग्रेजी में